**Note :** If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

# Atmavallabh


| | |
|---|---|
| Folder No. | 012062 |
| Granth Name | Atmavallabh |
| Editor | Jagatchandravijayji, Nityanandvijayji |
| Publisher | Atmavallabh Sanskruti Mandir Delhi |
| Edition | 1 |
| Year | 1989 |
| Pages | 300 |


# आत्मवल्लभ


| | |
|---|---|
| फोल्डर नं. | ०१२०६२ |
| ग्रन्थ | आत्मवल्लभ |
| मूल | जगच्चन्द्रविजयजी, नित्यानंदविजयजी |
| प्रकाशक | आत्मवल्लभ संस्कृति मंदिर दिल्ही |
| आवृत्ति | १ |
| प्रकाशन वर्ष | १९८९ |
| पृष्ठ | ३०० |



मुख्य टाईटल
नमो वीतरागाय
शुभ आशीर्वाद
प्रकाशकीय
सम्पादकीय
मैं क्या चाहता हुँ
अनुक्रमणिका
हमारे हृदय – सम्राट विजय वल्लभ
- श्री वल्लभगुरुसंडक्षिप्तचरित्रस्तुति – मुनि पुण्य विजय ------------------------------------------ १
- भक्तामरपाद – पूर्तिरुपासूरि – राजस्तुति – मुनि विचक्षण विजय ------------------------------ २
- जैनाचार्य श्री १०८, श्रीमद विजयवल्लभ सूरीश्वरजी महाराज की जन्मादि कुण्डलियाँ ------------- ४
- श्री वल्लभ निर्माण कुण्डली गान – हस्तीमल कोठारी ------------------------------------------ ६
- हमारे गुरुदेव आचार्य विजय वल्लभ – आचार्य विजय समुद्रसूरीश्वरजी ------------------------ ८
- माँ के वचन पूरे हुए – आचार्य विजयेन्द्रदिन्न सूरीश्वरजी -------------------------------------- ८

जैन समाज के प्रखर शिक्षा शास्त्री – आचार्य विजयजनक चन्द्र सूरि ---------------------------- ९
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरी – सर्वतोमुखी व्यक्तित्व के धनी – उपाध्याय अमर मुनि -------- १०
समन्वयी वादी आचार्य – विजय वल्लभ सूरि – आचार्य तुलसी ------------------------------ १२
वल्लभ गुरु मुक्तक – गणि वीरेन्द्र विजय -------------------------------------------------- १२
आचार्य श्री विजय वल्लभ सूरि जीवन घटनाक्रम – एक नजर में – गणी वीरेन्द्र विजय ------- १३
वल्लभ एक सर्वदेशीय व्यक्तित्व – मुनि जयानन्द विजय ------------------------------------- १६
गुरु वल्लभ द्वारा स्थापित संस्थायें – मुनि चिदानन्द विजय --------------------------------- २१
अधूरी भावना – अगरचंद्र नाहटा ------------------------------------------------------------ २४
रुबाईया – अभयकुमार जैन ------------------------------------------------------------------ २४
मध्यम वर्ग एवं आचार्य विजय वल्लभ – ऋषभदास रांका ------------------------------------ २५
समाजोत्थान के मूल तत्व – विजय वल्लभ सूरि ------------------------------------------- २६
हमने भगवान महावीर को खोया है – आचार्य विजय वल्लभ --------------------------------- ३०
युगवीर – विजय वल्लभ – साध्वी पीयुषपूर्ण श्री -------------------------------------------- ३१
युगवीर – विजय वल्लभ – साध्वी सुमंगला श्री --------------------------------------------- ३१
प्रसंग – परिमल मुनि नवीनचन्द्र विजय – राघव प्रसाद पाण्डेय ------------------------------ ३२
पंजाब केसरी के पांच आदर्श – ऋषभदास जैन --------------------------------------------- ३२
विश्व की विराट विभूति विजय वल्लभ – साध्वी यशोभद्रा श्री -------------------------------- ४५
वल्लभ – महिमा – राघव प्रसाद पाण्डेय --------------------------------------------------- ४५
श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी महाराज मेरी दृष्टि में – डॉ. जवाहरचन्द्र पटनी ------------------ ४७
जैन संत – कवि श्री विजयवल्लभ सूरी जी महाराज – प्रो. रुपलाल वर्मा --------------------- ५०
अपना बना लो प्रभु – आचार्य विजय वल्लभ सूरी ------------------------------------------ ५२
वल्लभ की अमोघ शक्ति और भक्ति – प्रो. राम जैन ----------------------------------------- ५२
गुरु वल्लभ और संक्रान्ति महोत्सव – रघुवीर कुमार जैन ------------------------------------ ५४
दीर्घ दर्शी गुरु वल्लभ – लाडोरानी जैन ----------------------------------------------------- ५५
श्रद्धांजलि गीत – घनश्याम जैन----------------------------------------------------------- ५६
गुरुदेव का चमत्कार – रतनचंद जैन ------------------------------------------------------- ५६
मानवता के प्रेरक – खरतरगच्छीय मुनि श्री जयानन्द --------------------------------------- ५७
दुःखियों का मसीहा – साध्वी प्रमोद श्री ---------------------------------------------------- ५७
गुरु वल्लभ के तीन उपदेशक – साध्वी अमितगुणा श्री--------------------------------------- ५८
वंदना – रमेश पंवार ----------------------------------------------------------------------- ५८
Shree Vijayvallabh Surishwar Ji Maharaj------------------------------------------------------------ 59
Jain Saint Acharya Shri Vijaya Vallabh Suri (1870-1954) ------------------------------------------- 61
भगवान महावीर से विजय ईन्द्र तक (पट्ट परम्परा) ------------------------------------------ ६३
आत्माराम जी महाराज (गुजराती) – डॉ. रमणलाल ची. शाह --------------------------------- ६४
म. सा. श्री विजय वल्लभ सूरीश्वरजी – साध्वी सुमति श्री ------------------------------------ ६८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

ओ मेरे गुरु तेरी तय हो – मुनि धर्मधुरन्धर विजय ---------------------------------------- ६९
आचार्य ईन्द्रदिन्न सूरी सर्वगुण सम्पन्न जैनाचार्य – अ.ना. धर द्विवेदी ----------------------- ७१
जागे भाग हमारे – सुशील रिन्द ----------------------------------------------------------- ७३
मानव सदभावना के महान संत – श्री विजय ईन्द्रदिन्न सूरि – श्री अविनाश कपूर ------------ ७३
श्रीमद विजय जनकचन्द्र सूरीश्वरजी महाराज ----------------------------------------------- ७४
जैन तीर्थ एवं कला वैभव
The Temples Of India ------------------------------------------------------------------1
The Jain Temple-----------------------------------------------------------------------3
Some Inscriptions And Images On Mount Satrunjaya Ambalal Premchand Shah----------6
Jaina Temples Of Rajasthan – M. A. Dhaky---------------------------------------------9
The Images Of The Temple ------------------------------------------------------------ 14
Temple Worshhip ----------------------------------------------------------------------- 16
जिन मंदिर विधि – मुनि विनोद विजय ------------------------------------------------- १७
तत्वार्थ श्रद्धाणं समग्रदर्शनम ------------------------------------------------------------ २१
जैन स्थापत्य और शिल्प – सुमंत शाह ------------------------------------------------ २२
गुरु वल्लभ और कांगडा तीर्थ – शान्तिलाल नाहर ------------------------------------- २७
पावन तीर्थ श्री हस्तिनापुर – निर्मल कुमार जैन --------------------------------------- २८
भगवान महावीर की जन्म भूमि क्षत्रियकुंड – हीरालाल दुग्गड ------------------------------ ३०
जैन दर्शन और ईतिहास
देश के लिए संदेश – विजयेन्द्रदिन्न सूरि ------------------------------------------------ १
जैन दर्शन और विश्व शांति – आचार्य विजय ईन्द्रदिन्न ------------------------------------ २
श्रावक धर्म – गणि जगच्चन्द्र विजय ---------------------------------------------------- ३
पूर्वगत आगमों की परम्परा – डॉ. गोकुलचन्द्र जैन ------------------------------------------ ६
भगवान महावीर का अनेकान्तवाद – साध्वी मृगावती श्री ---------------------------------- ८
भारतीय संस्कृति में जैन धर्म – साध्वी ओंकार श्री ---------------------------------------- ९
अनेकान्तवाद – पं. गिरिजादत्त त्रिपाठी ----------------------------------------------------- ११
कलिकाल सर्वज्ञ हेमचन्द्राचार्य – साध्वी प्रफुल्ल प्रभा श्री ------------------------------------ १३
अकबर प्रतिबोधक श्री हरि विजय सूरि – मुनि अरुण विजय ------------------------------- १४
तीर्थ तथा राष्ट्रं प्रति जैन समाजस्य योगदानं – साध्वी नयनानंद श्री --------------------------- १६
जैन दर्शन में छ लेश्याएं – आचार्य रजनीश ----------------------------------------------- १८
प्रमुख जैनाचार्यों की योग दर्शन को देन – अरुणा आन्न्द ------------------------------------ २३
धर्म चित्त की शुद्धता – अनुराधा ---------------------------------------------------------- २६
Chaturvidh Sangh ---------------------------------------------------------------------- 27
Jain Literature -------------------------------------------------------------------------- 39
Studies In The Folk – Tales Of India – M.B. Emeneau------------------------------------ 32
The Vallue Of A Vegetarian Diet – Dr. Natubhai Shah---------------------------------- 38
Contribution Of The Jains In The Field Of Commerce Trade, Industry And Social Responsibility – Pratap Bhogilal ------------------------------------------------------ 42
Jain Studies In Germany – Magdalene Duckwitz----------------------------------------- 46

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

About An Aksayatritiya Vyakhyana – Dr. Nalini Balbir------------------------------------------ 49
Jainism A Universal Religion – Sudhakar M. Dalal--------------------------------------------- 50
मेरी भावना ---------------------------------------------------------------------------- ५१
कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्य (गुजराती) – पं. शीलचन्द्रविजय जी गणि ------------------ ५२
जप साधना – शशीकान्त महेता ------------------------------------------------------------ ५४
जैन साहित्यमां बुद्धिचातुर्यना कथा घटको – पन्नालाल र. शाह -------------------------------- ५७
जैन साहित्यगत प्रारम्भिक निष्ठा – पं. दलसुख मालवणिया ------------------------------------ ६१
श्री वीरचंद्र राघवजी गांधी – डॉ. कुमारपाल देसाई ------------------------------------------ ६४
समता – प्रा. तारा बहेत रमणलाल शाह ------------------------------------------------- ६७
वल्लभ स्मारक नींव से शिखर तक
श्रद्धा – पुरुष – मुनि श्री नवीनचन्द्र विजय ------------------------------------------------ १
वल्लभ स्मारक मंगलकारी – प्रो. राम जैन ----------------------------------------------- १
मातेश्वरी पद्मावती – साध्वी मृगावती ------------------------------------------------------ २
गुरु वल्लभ की अमर स्मृति – आचार्य विजय ईन्द्रदिन्न सूरि ---------------------------------- ४
वल्लभ और वल्लभ स्मारक – मुनि श्री अमरेन्द्र विजय ---------------------------------------- ५
बीजांकुर से फलवृद्धि तक – विजय वल्लभ स्मारक – राजकुमार जैन ------------------------- ७
जैन स्थापत्य कला की उत्कृष्ट वल्लभ स्मारक – विनोदलाल एन. दलाल ---------------------- १६
चेतना के स्वर – गणि नित्यानंद विजय ------------------------------------------------ २२
गुरु वल्लभ और वल्लभ स्मारक – साध्वी प्रगुणा श्री --------------------------------------- २३
विश्व विश्रुति वल्लभ स्मारक – प्रियधर्मा श्री ------------------------------------------------ २४
जगती का शिक्षक – राघव प्रसाद पाण्डेय ------------------------------------------------ २४
विजय वल्लभ स्मारक में भोगीलाल लेहरचंद भारतीय संस्कृति संस्थान – नरेन्द्र प्रकाश जैन --------------------------------------------------------------------------------- २५
विजय वल्लभ स्मारक जैन ज्ञान भण्डार – महेन्द्र पी. सेठ ---------------------------------- २८
श्री विजय वल्लभ जैन होम्योपैथिक औषधालय – वीरचंद भाभू ------------------------------ ९०
वल्लभ स्मारक भोजनशाला – कृष्ण कुमार ----------------------------------------------- ३१
नींव की ईंट – अवधनारायणधर द्विवेदी ----------------------------------------------------- ३२
Pillars Of Smarak – An Introduction ---------------------------------------------------------- 34
श्री आत्मानन्द जैन सभा दिल्ली – सुदर्शनलाल जैन ---------------------------------------- ३६
श्री जैन श्वेताम्बर कान्फ्रेन्स – राजकुमार जैन --------------------------------------------- ३८
महत्तरा साध्वी श्री मृगावती श्री जी महाराज -------------------------------------------- ४०
महत्तरा जी की छाया – सुशील रिन्द -------------------------------------------------- ४२
महत्तराजी एक राष्ट्रीय मूल्यांकन – सुप्रज्ञा श्री ----------------------------------------------- ४२
श्री मृगावती महाराज की दिव्य अलौकिक शक्ति – राजकुमार जैन ---------------------------- ४४
महत्तरा मृगावती जी और संन्यास की महिमा – वीरेन्द्र कुमार जैन ---------------------------- ४७
महत्तरा जी का महान जीवन – दलसुख मालवणिया ---------------------------------------- ४८

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

अध्यात्म जगत की ज्योति – विधा बहन शाह ---------------------------------------------- ४९
महत्तराजी – नियमावली और विशेषताएं – आर्या सुव्रता श्री ----------------------------------- ५०
साध्वी संघ एक विनती – साध्वी मृगावती श्री ------------------------------------------------- ५१
जीवन मां सादाई नुं नहत्व – पु. महत्तरा श्री मृगावती श्री जी --------------------------------- ५२
महत्तराजी नुं महाप्रयाण – राजकुमार जैन --------------------------------------------------- ५३
शासन हित स्वका किया अर्पण – पन्नालाल नाहटा ----------------------------------------- ५४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org